मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक
नवम्बर - 2017
वर्ष 6, अंक 2, पृ.सं. 20

भूले - बिसरे खेलों की यादें

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर के भवन ढाँचा निर्माण कार्य पूर्ण होने को अग्रसर।
प्रस्तावित उद्घाटन दिनांक : 22 अप्रैल, 2018

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर के निर्माण हेतु योगदान योजना

आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं और प्रतिमाह 2 के औसत से जानकारी मांगी जाती है जो वृद्धाश्रम में रहना चाहते हैं। जगह खाली नहीं होने की वजह से भविष्य में किसी भी बुजुर्ग को निराश नहीं लौटाना पड़े इस विचार के साथ तारा संस्थान ने बैंक लोन लेकर 7000 वर्ग फीट भूमि खरीदी। इस भूमि हेतु हमारे दानदाताओं ने मुक्तहस्त सहयोग किया। आशा है, अब नवीन परिसर निर्माण हेतु भी आप समस्त भामाशाह उसी प्रकार खुले दिल से सहयोग करेंगे।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण "दधिचि"
रु. 1,00,000/-

भवन निर्माण "कर्ण"
रु. 51,000/-

भवन निर्माण "भामाशाह"
रु. 21,000/-

जिस दिन जीवन की छोटी अवधि का एहसास हो जाता है, हम छोटी-छोटी बातों में पड़ना छोड़ देते हैं।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

आवरण चित्र
अरविन्द शर्मा

तारांशु - वर्ष 6, अंक - 2, नवम्बर - 2017

अनुक्रमणिका

विषय ... पृष्ठ संख्या

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर प्रस्तावित उद्घाटन दिनांक : 22 अप्रैल, 2018............02
अनुक्रमणिका............03
हम भी अगर बच्चे होते............04
सुंदर सी दुनिया............05
आनन्द वृद्धाश्रम............06
तारा नेत्रालय............07
गौरी योजना / तृप्ति योजना............08
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर / मस्ती की पाठशाला............09
आवरण कथा - 1 10
आवरण कथा - 2 11
मासिक न्यूज अपडेट 12
अतिथि............13
विनम्र अपील 14
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर 15-16
स्वागत 17
धन्यवाद............18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान............19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' की सन्निधि में साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

उपदेश देने का सबसे अच्छा तरीका स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना है।

हम भी अगर बच्चे होते...

जी हाँ बचपन की यादें हमेशा हमारे मन पर अमिट छाप की तरह अंकित हो जाती है। जब कभी स्कूल के पुराने साथी मिलते हैं तो इतनी इतनी बातें होती हैं और उन बातों में अकसर जिक्र होता है उन खेलों का जो अब भूला से दिए गए हैं।

जब इस बार की तारांशु बना रहे थे तो सोचा कि क्यों ना आपको और हमारे वृद्धाश्रम के बुजुर्गों की याद ताज़ा की जाए उन खेलों को खेलकर जो अब विलुप्त से हो रहे हैं। आसान सा था शंकर सिंह जी को बोला और तारा संस्थान के शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के मैदान पर मेरे साथ कुछ लड़कियों, बुजुर्ग और बच्चे सब इकट्ठे होकर खेलने लगे बचपन में खेले खेल, बहुत सी लड़कियों के लिए तो ये नया अनुभव था लेकिन गाँव के कुछ बच्चों को ये खेल आते थे।

सबसे पहले गुट्टे खेले गए (शायद आपके यहाँ कुछ और भी कहते हों)। चार पाँच महिलाओं और बीच में 5 कंकड़, एक को हवा में उछालना बाकी को बस उतनी देर में इकट्ठा करना जितनी देर में हवा वाला नीचे आ जाए, क्या कला है। फिर लट्टू चले इसमें लड़कियाँ थोड़ी फिसड्डी थी लेकिन स्कूल के लड़कों ने तो मानो जादू सा कर दिया करण ने तो लट्टू को हवा में उछाला और सीधा हाथ में ले लिया बिना जमीन पे गिराये मानो जादू हो।

स्टापू या चिप्पस का कम्पटीशन तो गौरी योजना की नसरीन चैम्पियन की तरह खेली जब पूछा तो बोली मैंने तो घर पर यही काम तो किया था। घोड़ा है चमार खाए में तो हम सब बच्चे बन गए, और जब टायर को दौड़ाया तो ऐसा लग रहा था कि रेखा कुँवर के तो पैरों में पंख लग गये हों। एक एक कर हर बच्चे और बड़े ने टायर दौड़ाया.... और फिर गिल्ली डंडा, जिसमें अंदाजा सही लगाने वाला खिलाड़ी जीत जाता है। फिर बड़ों और बच्चों की टीम बनी और... बच्चे जीत गए, सितोलिया में Finally बड़ों ने बाजी मार ही ली.... और 75 वर्षीया अंबा बाई (आनन्द वृद्धाश्रमवासी) ने लट्टू घुमाया और हम सब भी चक्कर खा गए इस उम्र में इस अदा पर.... इतना थक कर हम जीवंत हो गए.... ।

आज के बच्चे तो कृत्रिम दुनिया में जी रहे हैं जो टी.वी. से होती हुई मोबाइल में सिमट गई है सारे खेल बस एक छोटी सी स्क्रीन पर ही खेले जा रहे हैं, तभी तो आप कहीं भी नज़र दौड़ाएँ बच्चों में मोटापा बढ़ गया है। ये जो भी पुराने खेल थे इतनी कम कीमत में इतना मजा देते थे कि किसी मेडिटेशन की जरूरत ही नहीं थी।

मुझे इन खेलों को खेलकर जो मजा आया उसके 20–25 प्रतिशत आनन्द तो आपने भी लिया होगा, पुरानी यादें जो सुख देती है वो अनुपम होता है कभी आप सब आएँगे तो हम ऐसा भी प्लान करेंगे कि आप और हम मिलकर खेलें।

यह बात पक्की है कि कोई भी इत्र मिट्टी की खुशबू से ज्यादा नहीं महकता है... है ना?

आदर सहित....

कल्पना गोयल

बोलने-लिखने से नहीं, सच-झूठ की पहचान आचरण से होती है।

सुंदर सी दुनिया

तारांशु एक ऐसा माध्यम है जिससे हम आपसे रू–बरू हो पाते हैं, हमारे विचार आप तक पहुँचाने का सबसे अच्छा तरीका है यह... और हाँ आप भी तो ''तारांशु'' पढ़कर हमें पत्र लिखते हैं, लेखन में अच्छे शब्दों से ज्यादा महत्त्व भावों का है और आपके भाव हमारे दिल को छू जाते हैं। आपका प्यार, आत्मीयता जो इन पत्रों में मिलती है उसका कोई मोल ही नहीं है। कई बार तो आप लोग हमें इतना सम्मान देते हैं कि क्या कहें, जबकि हम उम्र में अनुभव में सबमें आपसे काफी नीचे होते हैं। तारा संस्थान से जुड़ने का सर्वाधिक सुखद पहलू ही मैं तो ये मानता हूँ कि आप जैसे दिलवाले लोगों से मिलना या बात करना। हम तो ईश्वर से बस यही प्रार्थना करते हैं कि आपके इस प्यार को पाने के काबिल बने रहें और आप भी हम पर अपना स्नेह बनाये रखें।

ये बात अच्छी तरह समझते हैं कि ''तारा'' के लिए दान मांगते समय कभी–कभी आपको फोन आने से परेशानी भी होती होगी लेकिन आप लोगों ने इस परेशानी को भी गरिमापूर्वक सहन किया है तभी तो हमसे रिश्ता बनाए रखे हैं और इस सहनशीलता का एक ही कारण है जो मुझे समझ आता है कि आप ये सोचकर माफ कर देते होंगे कि एक अच्छा काम हो रहा है। ईश्वर जब अच्छा काम कराता है तो बहुत से अच्छे लोगों को मिला देता है और तारा में भी तो एक अच्छा सा परिवार बना दिया। मुझे लगता है कि आपके और हमारे जैसे लोगों का भाग्य विशेष चुनकर लिखा गया होगा क्योंकि परहित का सुख सबकी किस्मत में कहाँ होता है।

कभी–कभी लिखने बैठते हैं तो हृदय के उद्गार लिखने में आ जाते हैं, हमारे प्यारे बाउजी (आदरणीय डॉ. कैलाश जी मानव) से जब इस तरह की बात होती हैं तो वे यही कहते हैं कि जीवन की मूल बातें तो ये ही है बाकी सब काम की बातें सैकेंडरी हैं।

चलिए, अब कुछ सैकेंडरी बातें भी कर लेते हैं। अकसर तारांशु में लिखते हैं तो वृद्धाश्रम की बातें ज्यादा हो जाती है, ये काम ही ऐसा है जो दर्द से भरा है, बातें तो इस बार भी बहुत हैं लेकिन इस बार हम तारा नेत्रालयों की बात करेंगे क्योंकि अभी अक्टूबर का महीना गया है और तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली और मुम्बई क्रमशः अक्टूबर 2011, 2012, 2013 और फरीदबाद सितम्बर 2016 में प्रारंभ हुए थे जिन सब में और कुछ बाहर के शिविरों में मिलाकर लगभग 10,000 मोतियाबिन्द के ऑपरेशन प्रतिवर्ष निःशुल्क हो रहे हैं। लोग हमसे पूछते हैं कि 'तारा' नाम क्या इसलिए रखा की आँखों का काम करना था लेकिन मात्र संयोग है कि नाम तारा पहले रखा था और आँखों का काम बाद में किया। इसी तरह सितम्बर या अक्टूबर में हॉस्पीटल का खुलना भी संयोग मात्र है बस दशहरे का दिन शुभ होता है और नारायण सेवा संस्थान भी दशहरे को प्रारम्भ हुई थी सो पहला तारा नेत्रालय, उदयपुर दशहरे के दिन प्रारम्भ हुआ और आगे भी दशहरे को होते चले गए।

हॉस्पीटल का खुलना इतनी बड़ी घटना नहीं है लेकिन खुलकर निरंतर चलना अच्छा लक्षण है क्योंकि ये दो बातों का सूचक है कि मरीजों का हम पर विश्वास है और हमारे दानदाताओं का भी विश्वास कायम है। तारा नेत्रालयों के माध्यम से जो काम हो रहा है उसकी आवश्यकता और महत्त्व का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि भारत में अभी भी लाखों बुजुर्ग केवल इसलिए आँखों की रोशनी खो देते हैं कि वे मोतियाबिन्द का ऑपरेशन नहीं करवा पाते। इस ऑपरेशन को नहीं करवा पाने का कारण है अज्ञानता और गरीबी। तारा के अलावा बहुत से केन्द्र हैं जहाँ इस तरह का ऑपरेशन होता है लेकिन पूर्णतया निःशुल्क केन्द्र कम ही हैं।

तारा नेत्रालय एक ऐसी निश्चिंतता देते हैं कि रोगी दूर–दूर से आते हैं और अपना ऑपरेशन कराते हैं उदयपुर में सुदूर आदिवासी क्षेत्रों से, मुम्बई में मैंने पाया कि वहाँ पर काम कर रहे बिहार और उत्तर प्रदेश के बहुत से लोग अपने गाँवों से माता–पिता को बुला बुलाकर उनका ऑपरेशन कराते हैं इसी तरह दिल्ली और फरीदाबाद में, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली एन. सी.आर. तक लोग आते हैं।

एक छोटा सा प्रयास कितने बड़े क्षेत्र के लोगों को राहत दे देता है, हमारे दानदाता भी तो ऐसे ही हैं जो प्रदेश, भाषा, धर्म, जाति की सीमाओं से परे सहयोग देते हैं उनके लिए जिन्हें तो जानते भी नहीं।

इसे ही तो कहते हैं सुंदर सी दुनिया....

आदर सहित....

दीपेश मित्तल

श्रीमती चन्दा ठठेरा : जब घर वाले ही झगड़ा करें तो कहाँ जाएँ ?

श्रीमती चन्दा ठठेरा एक दिन किसी को बिना बताए घर से निकल कर तारा संस्थान आ कर रहने लग गई। क्योंकि अगर उनके पति व बहू को मालूम चल जाता कि चंदा जी आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे हैं तो वे लोग यहाँ भी झगड़ने आ जाते। जब अपने स्वयं के पति व पुत्र ही आपसे झगड़ा करे तो इंसान जाए तो जाए कहाँ। जब उनके पति रिटायर नहीं हुए तब तक सब ठीक ही था परन्तु अब परिस्थितियों बिल्कुल उलट है। वह या पुत्र चन्दा को किसी प्रकार का हाथ खर्च भी नहीं देते थे, चंदा जी स्वयं इधर–उधर काम करके अपना खर्चा चला रही थी लेकिन जब शरीर ने साथ छोड़ दिया और उम्र हावी होने लगी तो चन्दा जी अपना स्वयं का अलग रास्ता चुन कर वृद्धाश्रम चली आईं। यहाँ की व्यवस्था से खुश है। सब कुछ अच्छा लग रहा है हालांकि पुत्री बीमार है जिससे न मिल पाने की कसक हमेशा लगी रहती है, परन्तु मजबूरी है। **श्रीमती चन्दा ठठेरा आनन्द वृद्धाश्रम व तारा संस्थान को अब अपना घर मान चुकी है तथा श्रीमती कल्पना गोयल (दीदी) को माता स्वरूप कहती है।**

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60,000 रु.	06 माह - 30,000 रु.	01 माह - 5,000 रु.

श्रद्धांजलि

(स्वर्गीय) श्री सत्यनारायण मोदी
पुत्र स्वर्गीय श्री बाबू लाल जी

तारा संस्थान में एक शोक सभा आयोजित की गई थी जिसमें लम्बी बीमारी के बाद 31 अक्टूबर, 2017 को निधन हो चुके श्री सत्यनारायण मोदी को तारा परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गयी व दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई। (स्वर्गीय) श्री सत्यनारायण मोदी मूल रूप से गाँव सूसारी, धार (एम.पी.) से संबंधित थे और 3 अप्रेल, 2014 से आनंद वृद्धाश्रम में रह रहे थे।

एक बुजुर्ग 5000/- प्रतिमाह, 5 बुजुर्ग 25000/- प्रतिमाह, 10 बुजुर्ग 50000/- प्रतिमाह

क्रोध से सब काम वैसे नहीं बनते, जैसे शांति से बनते हैं।

उदयपुर 6 वर्ष, दिल्ली 5 वर्ष, मुम्बई 4 वर्ष व फरीदाबाद 1 वर्ष अक्टूबर, 2017 में सम्पन्न

3 केस स्टडी

श्रीमती देबू बाई

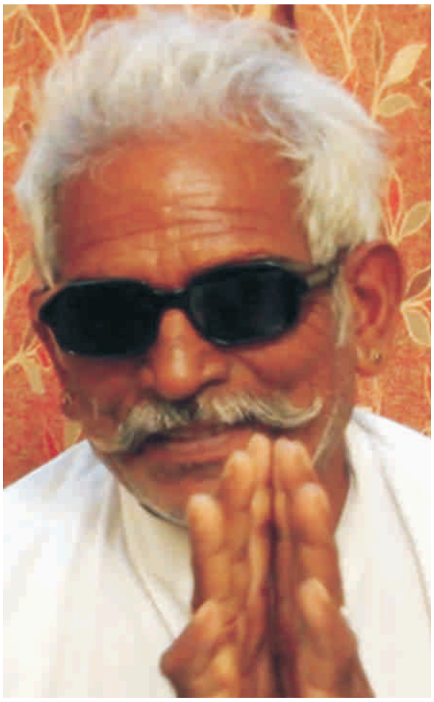

श्री नारायण जी

श्रीमती चुन्नी बाई

श्रीमती देबू बाई : इनको अपनी उम्र का कोई अंदाजा नहीं है। उनके पति नहीं रहे व एक पुत्र है जो खेती करता है। कुछ महीनों से देबू को आँखों से दिखना कम हो रहा था। परन्तु गरीबी के चलते किसी प्रकार का इलाज नहीं करवा सक रही थी। फिर एक दिन तारा नेत्रालय का नेत्र शिविर इनके गाँव में लगा तो उनका भतीजा उन्हें वहाँ दिखा कर, उदयपुर स्थित तारा अस्पताल ले आया। सफल मोतियाबिन्द ऑपरेशन के पश्चात् देबू बाई अब अच्छा देख सकती है एवं कहती है कि उन्हें तो एक नया जीवन मिला है। इन्हें यहाँ एक पैसे का खर्चा नहीं लगा, ऑपरेशन, दवाइयाँ व खाना–पीना सब मुफ्त हुआ है। **देबू बाई दानदाताओं को दुआ देती है कि ईश्वर उनके भले की पूर्ति करेगा।**

श्री नारायण जी (65 वर्ष) : इसी प्रकार गरीब ग्रामीण खेतीहर श्री नारायण जी पैसे की समस्या के चलते 2 साल से आँखों के मोतियाबिन्द का ईलाज नहीं करवा पा रहे थे। वह इंतजार कर रहे थे कि कब तारा नेत्रालय का शिविर लगे और वह इसका लाभ उठाएँ। इधर 6 महीने से उन्हें बिल्कुल कम दिखाई देने लगा। किस्मत से इसी दौरान तारा नेत्रालय का शिविर उनके गाँव में लगा व उनका चयन कर मोतियाबिन्द का सफल ऑपरेशन किया गया। **उनका कोई खर्चा नहीं हुआ व वह दानदाताओं के भले की ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।**

श्रीमती चुन्नी बाई : इसी प्रकार चुन्नी बाई साल भर से दाई आँख में कम दिखाई देने की समस्या से ग्रसित थी। इनके दोनों पुत्र ईलाज हेतु टालमटोल करते रहे। पति मोटर साईकल से गिरकर चलने फिरने में अक्षम है। सो अब उन्हें कौन अस्पताल ले जाए? लेकिन जब तारा नेत्रालय का शिविर लगा तो चुन्नी बाई खुद अकेली ही चली आई और उदयपुर अस्पताल में भी अकेले रहकर ही ऑपरेशन करवा लिया। **चुन्नी बाई ईश्वर की आभारी है कि उन्हें तारा संस्थान की मदद बिल्कुल निःशुल्क मिली।**

1 ऑपरेशन सहयोग राशि रु. 3000/-

17 ऑपरेशन सहयोग राशि रु. 51000/-

गौरी योजना :

श्रीमती सुनीता बड़गुर्जर : पति ने आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या कर ली थी

29 वर्षीया विधवा श्रीमती सुनीता बड़गुर्जर अपने पति की मृत्यु 2015 में होने के बाद से ही अपने भाई के साथ पीहर में रहती है। उनके पति ने आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या कर ली थी। सुनीता समझ नहीं पाती है कि उसने ऐसा क्यूं किया, उसे तो दो वक्त का खाना मिल जाता व 3 छोटे–छोटे बच्चों का पालन हो जाना ही पर्याप्त था। खैर, अब सुनीता अपने तीनों मासूम बच्चों को वो दिन नहीं दिखाना चाहती है। पढ़ा–लिखा कर किसी जॉब में लगाना चाहती है न कि छोटे–मोटे काम में। लेकिन सुनीता की बड़ी परेशानी यह है कि बच्चों को पढ़ाने की व्यवस्था कहाँ से करें। इसी उलझन के वक्त तारा संस्थान इनके काम आया और उन्हें 1000/– मासिक सहायता देना शुरू किया। सुनीता उन पैसों से बच्चों के स्कूल का खर्चा कर रही है। **वह कहती है कि बच्चे बड़े होकर सर्वप्रथ तारा संस्थान का अहसान हमेशा याद रखेंगे।**

मात्र 1000 रु. में एक विधवा महिला को सहयोग दें

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष – 12000 रु.	06 माह – 6000 रु.	01 माह – 1000 रु.

तृप्ति योजना :

श्री तेजराम डंगी : लगभग सारे घर वाले असमर्थ

तेजराम डांगी (50 वर्षीय) स्वयं 3 साल से देख नहीं पाते हैं साथ एक छोटा भाई भी आँख से गया है पत्नी विकलांग है तथा माँ वृद्ध है। अब रहे दो छोटे बच्चे। तेजराम यह सोच–सोच कर परेशान रहते है कि इन बच्चों को कैसे पालेंगे पर अब हालत यह है कि बड़ी मुश्किल से माँ रोटी बना कर दे देती है। गुजारे के लिए उधार या लोगों के सहयोग पर निर्भर रह रहे हैं। हालांकि बच्चे तो सरकारी स्कूल में पढ़ पा रहे हैं और तेजराम को संतुष्टि है कि बड़े होकर ये ही उसका सहारा बनेंगे – यही आस बाकी है। परन्तु तेजराम चिंतित है कि उनके घर के सदस्यों का खर्चा गुजारा कहाँ से करें। स्वयं चलने फिरने के लिए लकड़ी या बच्चों का सहारा लेना पड़ता है। फिर काम करना तो सोच के भी बाहर है। ऐसी दयनीय स्थिति में तारा संस्थान ने उन्हें चिन्हित करके तृप्ति योजना के अन्तर्गत उनके मासिक राशन व कुछ नकदी की व्यवस्था कर दी है ताकि परिवार भूखा न रहे। **तेजराम का तारा संस्थान को हार्दिक धन्यवाद।**

मात्र 1500 रु. में बुजुर्ग खाद्य सामग्री हेतु सहायता करें

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष – 18000 रु.	06 माह – 9000 रु.	01 माह – 1500 रु.

इतिहास विश्वास की नहीं विश्लेषण की वस्तु है।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर :

निर्धन निःसहाय विधवाओं के बच्चों की शिक्षा हेतु प्रकल्प

वर्ष 2013 से संचालित शिक्षा भार्गव पब्लिक स्कूल में वर्तमान में चल रही कक्षा का एक दृश्य।

मस्ती की पाठशाला :

झुग्गी झोपड़ियों के कचरा बीनने वाले बच्चों को शिक्षित एवं सुसंस्कृत बनाने का एक प्रयास

कचरा बीनने वाले बच्चे सुबह-शाम कक्षाओं में उपस्थित होते हैं। प्रकल्प जुलाई 2016 से जारी है।

तारा संस्थान में भूले-बिसरे खेल : इंटरनेट युग के पहले की यादें ताजा की

''घोड़ा है चमार भाई...'' का खेल में धमाल–मस्ती।

आनन्द वृद्धाश्रमवासी श्रीमती अम्बा बाई लट्टू लपटते हुए।

31 अक्टूबर, 2017 को तारा संस्थान के सदस्य, शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के नन्हें विद्यार्थी और आनंद वृद्धाश्रम वासियों ने भूले–बिसरे खेल खेल कर इंटरनेट से पूर्व के ऑफ–लाइन जीवन को याद किया। सब लोगों ने पुराने जमाने के खेल जैसे गुट्टे, चिप्पस, घोड़ा है चमार, लट्टू, सितोलिया, गिल्ली– डंडा तथा टायर रेस खेल कर भरपूर आनंद लिया।

टायर रेस।

समय पर वही सवारी कर सकता है जो समय की लगाम पकड़े रहे।

तारा परिवार के सदस्य गुट्टे खेल का आनन्द उठाते हुए।

(इनसेट में) शिखर भार्गव का एक विद्यार्थी लट्टू के करतब दिखाता हुआ एवं ऊपर चिप्पस खेल के साथ हंसी-ठिठोली करती सहेलियाँ।

10 अक्टूबर, 2017 : शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के बच्चों की रेल सवारी

पिछले हफ्ते तारा संस्थान के शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर के छोटे–छोटे छात्र ट्रेन यात्रा पर गए। अधिकांश बच्चे अति–उत्साहित थे क्योंकि यह उनकी पहली रेल यात्रा थी। उन सभी ने मावली जंक्शन तक यात्रा का रोमांच का आनंद लिया, रास्ते में, उन्हें नाश्ता आदि भी करवाया। फिर उन्होंने स्टेशन मास्टर से मुलाकात की जिन्होंने रेलवे के बारे में बच्चों की जिज्ञासा को संतुष्ट किया। यात्रा के कुछ चित्र :

12 अक्टूबर, 2017 : फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता मेहंदी, रंगोली जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। फैंसी ड्रेस इस दिन का मुख्य आकर्षण था जिसमें बच्चों ने विभिन्न धार्मिक, ऐतिहासिक और प्रेरक पात्रों में रंगीन और शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रतियोगिताओं में दर्जनों विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

17 अक्टूबर, 2017 : दीवाली समारोह

दीवाली समारोह के दी गई कुछ प्रस्तुतियाँ

30 अक्टूबर, 2017 : ड्रामा प्रतियोगिता

तारा संस्थान द्वारा संचालित शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर में एक ड्रामा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अनेक छात्रों के समूहों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। उन्होंने नाटकों के जरिए भष्ट्राचार के मुद्दे, दहेज कुप्रथा, ईमानदारी तथा पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न सामाजिक संदेश दिए।

मुम्बई के श्री दिनेश एम. कोठारी सपरिवार तारा संस्थान में

मुम्बई निवासी श्री दिनेश एम. कोठारी सपरिवार दिनांक 22 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक उदयपुर व तारा संस्थान के दौरे पर आए तथा उदयपुर भ्रमण किया एवं तारा संस्थान की विभिन्न गतिविधियाँ की जानकारी ली। (ऊपर चित्र में बाएँ से) श्री दीपेश मित्तल (सी.ई.ओ., तारा संस्थान), श्री राजेन कोठारी (पुत्र), श्रीमती पल्लवी कोठारी (पुत्रवधू), उनके पौत्री–पौत्र, श्रीमती भारती बी. कोठारी (रिटा. हैड मिस्ट्रेस, बी.एम.सी), श्री दिनेश एम. कोठारी (रिटा. मैनेजर, एक्सेल इंडस्ट्रीज), श्रीमती कल्पना गोयल (निदेशक, तारा संस्थान) तथा श्री कोठारी के समधी श्री हरेन्द्र भाई।

इलाहाबाद के श्रीमती रमन गौड़ तारा संस्थान उदयपुर के दौरे पर

दिनांक 3 अक्टूबर, 2017 से 8 अक्टूबर, 2017 तक श्रीमती रमन गौड़ ने अपनी बहन की पुत्री के साथ उदयपुर तारा संस्थान का दौरा किया एवं संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों का जायजा लिया। गौरतलब है कि तारा संस्थान का इलाहाबाद स्थित रवीन्द्रनाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम के इमारत की व्यवस्था श्रीमती गौड़ ने ही प्रदान की थी। ऊपर चित्र में श्रीमती गौड़ (दाएँ से दूसरे) शिखर भार्गव स्कूल में बच्चों को उपहार प्रदान करते हुए।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

HORIZONTAL AUTOCLAVE

Horizontal Autoclaves are smart investment for hospitals and laboratories, where large volume of sterilization is required. These units efficiently meet stringent sterilization requirements and well suited for sterilizing hospital dressings and surgical instruments, rubber and plastic goods, glassware and utensils etc.

Cost of this Machine : Rs. 3,18,000/-

YAG LASER

In ophthalmology, lasers are used to photocoagulate, cut, remove, shrink and stretch ocular tissues. There are numerous ophthalmic applications for YAG lasers. The most common applications are Posterior capsulotomy, Anterior capsulotomy, Peripheral iridotomy, Vitreolysis, Corneal stromalreinforcement.

Cost of this Machine : Rs. 9,00,000/- (Taxes Extra)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन – 51000 रु.

09 ऑपरेशन – 27000 रु.

06 ऑपरेशन – 18000 रु.

03 ऑपरेशन – 9000 रु.

01 ऑपरेशन – 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर – 151000 रु.
चश्मा जाँच – चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर – 21000 रु.

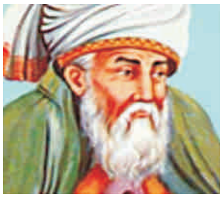

GEM FROM THE TURKISH POET RUMI

1. WHAT IS POISON?

Anything Which Is More Than Our Necessity Is Poison. It May Be Power, Wealth, Hunger, Ego, Greed, Laziness, Love, Ambition, Hate or Anything.

2. WHAT IS FEAR?

Non Acceptance of Uncertainty. If We Accept That Uncertainty, It Becomes Adventure.

3. WHAT IS ENVY?

Non Acceptance of Good in Others, If We Accept That Good, It Becomes Inspiration.

4. WHAT IS ANGER?

Non Acceptance of Things Which Are Beyond Our Control. If We Accept, It Becomes Tolerance.

5. WHAT IS HATRED?

Non Acceptance of Person As He Is. If We Accept Person Unconditionally, It Becomes Love.

गलतियां तो सभी करते हैं, सिर्फ मूर्ख ही उन्हें दोहराते हैं।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह अक्टूबर – 2017 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
04.10.2017	श्री पवन अग्रवाल, निवासी – सिकन्दराबाद	117	28	36	51
05.10.2017	श्री साहील आगल पुत्र श्री कैलाश चन्द्र आगल, निवासी – अजमेर (राज.)	154	28	39	42
06.10.2017	श्रीमती आशा देवी – श्री नगराज सोनी, निवासी – माड़पुरा, खीवसर, नागौर (राज.)	144	10	24	36
09.10.2017	श्री आनन्द जी गोयल, निवासी – सिलोंग (मेघालय)	178	20	27	46
16.10.2017	श्री बादल मुन्दरा, निवासी – इन्दौर (म.प्र.)	134	07	21	72
25.10.2017	श्रीमती हीराबेन – श्री हंसराज भाई बी. काचरोला, निवासी – मोरबी (गुज.)	206	23	41	98

तारा नेत्रालय, दिल्ली में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
07.10.2017	श्रीमती गीता मिड्डा, निवासी – लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92	144	11	36	57
10.10.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	207	15	36	64
23.10.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	222	20	41	73

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
07.10.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	38	02	07	11
11.10.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	83	05	19	29

तारा नेत्रालय, फरीदाबाद में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
09.10.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	59	05	11	22
14.10.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	91	09	17	27
30.10.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	83	07	14	31

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
01.10.2017	श्री गुलशन विरमानी, पी.ए. डॉ. हर्षवर्धन, दिल्ली	सनातन धर्म मंदिर, दिल्ली	356	07	174	–
02.10.2017	रोटरी क्लब दिल्ली यूनिवर्सिटी	कमला नगर, दिल्ली	462	27	323	534
05.10.2017	जय श्री कृष्णा	रोहिणी, दिल्ली	758	17	402	692
07.10.2017	जय श्री कृष्णा	गोवर्धन विलास, उदयपुर	450	–	52	197
07.10.2017	वर्धमान प्लाजा	नेहरु प्लेस, नई दिल्ली	548	09	287	492
08.10.2017	श्रीमती सुषमा जैन – श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	साहिबाबाद	821	30	500	550
08.10.2017	श्री आजाद सिंह , श्री राज सिंह, श्री हंसराज जी	रोहतक (हरि.)	767	30	384	648
08.10.2017	गुरुद्वारा धान पोथोहर नगर, सांताक्रुज (वेस्ट), मुम्बई	सांताक्रुज (वे.), मुम्बई	319	22	236	267
09.10.2017	जय श्री कृष्णा	किराड़ी, नई दिल्ली	870	19	456	804
11.10.2017	जय श्री कृष्णा	गुडेल, उदयपुर	294	23	104	184
13.10.2017	जय श्री कृष्णा	सुल्तानपुरी रोड, दिल्ली	824	11	347	738
14.10.2017	श्रीमती सुधा गोयल धर्मपत्नी श्री सुरेश चन्द्र गोयल	राजपुरी, दिल्ली	480	19	264	403
19.10.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	पाणुन्द, उदयपुर	179	12	72	104
21.10.2017	पं. गणेश प्रसाद मिश्रा सेवा न्यास	महोबा (उ.प्र.)	1123	100	576	887
22.10.2017	जय श्री कृष्णा	पाणुन्द, उदयपुर	203	18	107	134
27.10.2017	जय श्री कृष्णा	किराड़ी, नई दिल्ली	948	23	467	789
28.10.2017	मनोहर देवी बिन्दल चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) दिल्ली	करोल बाग, नई दिल्ली	765	21	374	711
28.10.2017	हीरालाल मोहन देवी रिटा गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट	जहांगीरपुरी, दिल्ली	776	14	475	485
29.10.2017	जय श्री कृष्णा	भीण्डर, उदयपुर	183	18	87	131
29.10.2017	जय श्री कृष्णा	सुल्तानपुरी, दिल्ली	722	19	378	668
29.10.2017	अग्रवाल समाज, बादशाहपुर, गुरुग्राम	गुरुग्राम (हरि.)	580	31	310	532
30.10.2017	जय श्री कृष्णा	बेगमपुर, दिल्ली	910	21	420	854
31.10.2017	जय श्री कृष्णा	नांगलोई, दिल्ली	520	12	253	478

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
22.10.2017	सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद	589	28	267	532

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

सुधार की शुरूआत अपने से ही होनी चाहिए।

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री देवेन्द्र पारिख व परिजन
मुम्बई

श्री रोशनलाल - श्रीमती हर्षा रानी
जयपुर (राज.)

श्री कमलेश कुमार
सूरत (गुज.)

श्री राजेन्द्र प्रसाद जी एवं साथी
बीकानेर (राज.)

श्री राजेन्द्र कुमार व श्रीमती सरोज वर्मा
विकासपुरी, दिल्ली

श्रीमती सुदर्शना खुराना व परिजन
फरीदाबाद (हरियाणा)

श्री सुरेन्द्र कुमार जैन
मेरठ (उ.प्र.)

श्रीमती कैलाश कुँवर चौहान के साथ तारा परिवार
उदयपुर (राज.)

श्रीमती निर्मल दुबे व परिजन
चण्डीगढ़

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्रीमती एवं श्री चरणजीत लाल आहूजा
बिलासपुर (छ.ग.)

श्री लखन गोयल - श्रीमती संतोषी देवी
हैदराबाद (तेलंगाना)

श्रीमती एवं श्री रामबीर चुग
पंचकुला (हरियाणा)

श्री सूर्यकान्त यरमल्ला
हैदराबाद

श्री भागीरथ लाल गुप्ता
हैदराबाद

श्री देवेन्द्र लाल सूद
चण्डीगढ़

श्री राजकुमार अग्रवाल
आगरा (यू.पी.)

श्री धन मोहन कासलीवाल
जयपुर (राज.)

श्रीमती सावित्री जैन
हैदराबाद

श्री नारायण प्रसाद धानुका
हैदराबाद

श्री प्रवीण जैन
हैदराबाद

समझदार आदमी वही है जो दूसरों की गलतियाँ भूल जाए, लेकिन अपनी हमेशा याद रखे।

Thanks : ## *NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM*

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mrs. & Mr. Ravindra Kumar Dixit
Delhi

Mr. D.D. Mathur - Mrs. Pushpa Mathur
Panchkula (Haryana)

Mr. Bhagwan Sahay - Mrs. Rashi Singhal
Gangapur City, Sawai Madhopur (Raj.)

Mr. Prakash Chandra - Mrs. Chanda Devi Jain
Kota (Raj.)

Mr. Om Prakash - Mrs. Kanta Rani Verma
Surat (Guj.)

Dr. Ajay Jain & Dr. Sarita Jain
Arihant Hospital, Sikar (Raj.)

Mr. Dinesh Singhvi - Mrs. Sheetal Singhvi
Udaipur (Raj.)

Lt. Mr. Harbans Lal Dua -
Lt. Mrs. Leela Wanti, Jalandhar PB

Mr. Mohinder Paul Verma - Mrs. Sudha Verma
Panchkula (Haryana)

Mr. Virendra Kumar - Mrs. Shanti Devi Thakur
Chandigarh

Mr. B.G. Gupta - Mrs. Kusum Gupta
Ujjain (MP)

Lt. Mr. Baldev Krishan
Ropar (PB)

Mr. Vinit Sachdeva
Bikaner (Raj.)

Randeep Jangra
New Zealand

Mrs. Daya Agrawal
Pitampura, Delhi-34

Lt. Mr. Soni Ram Gupta
Patiala (PB)

Mr. Rajinder Kumar Jain
Ludhiana (PB)

Mr. Haricharan Jain
Shahi Bagh, Ahmedabad

Mrs. Neera Jain
Ludhiana (PB)

Mr. Rakesh Chawala
Phagwara (PB)

Mr. Pawan Goyal
Patiala (PB)

Mr. Chirag Oswal
Ludhiana (PB)

Mrs. Nirmala Sharma
Moga (PB)

Mr. Gurdeep Gir
Patra - Patiala (PB)

Mr. Rachit Jain
Ludhiana (PB)

Mr. Dinesh Chandra Sharma
Firozabad (UP)

Mrs. Beena Ji
Alibag, Mumbai

Miss. Pushpa Mudaliar
Raipur (CG)

Aviral
Delhi

Mrs. Shakuntala Choudhary
Ranjhi, Jabalpur (MP)

Mr. Tarun Jangda
Narwana - Zind (HR)

Miss. Laksha Jangda
Narwana - Zind (HR)

Miss Geetika Jangda
Narwana - Zind (HR)

Mr. Puneet Jangda
Narwana - Zind (HR)

Mr. Amba Lal Lohar
Sukher, Udaipur

Miss Akshara Surana
Kolkata

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद/उपलक्ष्य में/स्मृति में ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केश/चैक/डी.डी. नम्बर ....

दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....

निवास पता ....

लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....

फोन नम्बर घर/ ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

सभ्यता चरित्र का वह रूप है जो मनुष्य को कर्तव्य का मार्ग दर्शाता है।

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation
Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Phone No. 011-25357026, +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad (Haryana) 121001
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Area Specific Tara Sadhak

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Bharat Menaria
Area Mumbai
Cell : 07821855755

Suresh Kumar Lohar
Area Mumbai
Cell : 07821855759

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Saurashtra (Guj.)
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Lt. Col. A.V.N. Sinha
Lucknow
Cell : 09598367090

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers,
Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Yes Bank	A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, नवम्बर - 2017
प्रेषण तिथि - 11-18 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2015-2017
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	YES Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस — 'पारस' रात्रि 7:40 से 8:00 बजे
आस्था भजन — 'आस्था भजन' प्रातः 8:40 से 9:00 बजे
आस्था — 'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे
संस्कार — 'संस्कार चैनल' दोपहर 2:40 से 2:55 बजे

बुक पोस्ट

Tara बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993

Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org,
Website : www.tarasansthan.org